



# समाज की संस्कृति का उद्धार करना

Redeeming Society's Culture

## उद्देश्य (OBJECTIVE)

इस प्रशिक्षण में हम चर्च की समाज में भूमिका पर चर्चा करते हैं, यह दर्शाते हुए कि कैसे कलीसिया को अपने आसपास की संस्कृति के साथ **सक्रिय रूप से जुड़ना, प्रभाव डालना, और उद्धार करना** चाहिए।

यिर्मयाह 29 के बाइबिलिक दृष्टांत से हम सीखते हैं कि कलीसिया को न तो अपने आप को अलग करना चाहिए और न ही समाज में पूरी तरह से घुल-मिल जाना चाहिए, बल्कि वह जिस समुदाय में स्थित है उसके **शांति और समृद्धि** की खोज करनी चाहिए।

यह चर्चा मसीहियों की **दोहरी नागरिकता (Dual Citizenship)** और उनके जीवन में परमेश्वर की **आशा और भविष्य की योजना** की प्रतिज्ञा को भी उजागर करती है।

## सारांश (OVERVIEW)

### ● समाज में चर्च की भूमिका:

- आसपास की संस्कृति से जुड़ने की चुनौती
- कलीसिया समाज के लिए एक मूल्यवान आशीष है
- बाबुल में कैसे सही जीवन बनाएं — इसका बाइबिलिक उदाहरण

### ● अपने शहर का उद्धार करें:

- यीशु का उदाहरण: समाज से जुड़ना और उद्धार लाना
- कलीसिया को शहरों को आशीष देने के लिए पहल करनी चाहिए
- हमारी भूमिका: दोहरी नागरिकता वाले मसीही

### ● उद्देश्य और समृद्धि की प्रतिज्ञा:

- अपने चारों ओर की दुनिया से जुड़ें
- समाज पर प्रभाव डालें — उपस्थिति के माध्यम से
- अच्छे कार्यों के द्वारा समुदाय का उद्धार करें

### ● परमेश्वर का उद्देश्य:

- एक ऐसा कलीसिया बनें जो न तो समाज में घुल-मिल जाए और न ही अलग रहे
  - समाज का उद्धार करने की खोज करें
  - हम एक टूटे हुए समाज में भी उद्देश्य के साथ जी रहे हैं
-

## संदर्भित बाइबल वचन (VERSES REFERENCED)

- यिर्मयाह 29

## अध्ययन के लिए प्रश्न (QUESTIONS FOR FURTHER STUDY)

1. आपके स्थानीय समुदाय की सबसे बड़ी आवश्यकताएँ क्या हैं? क्या आपकी सेवकाई उन आवश्यकताओं को पूरा करने में मदद कर सकती है?
2. आपकी सेवकाई समाज के किन-किन टूटे या दुखी क्षेत्रों को व्यावहारिक रूप से उद्धार कर सकती है? उदाहरण दें।
3. आपकी सेवकाई को समाज से दूर रहने या जुड़ाव से बचने के लिए कौन-से दबाव हो सकते हैं?

## अधिक अध्ययन के लिए वचन पद (SCRIPTURE FOR FURTHER STUDY)

- इफिसियों 2:19-22
- प्रेरितों के काम 2:42-47
- 1 यूहन्ना 4:4